बौद्धिक संपदा अधिकार पर कार्यशाला

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला का उदघाटन करते हुए दिलीप शर्मा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रत्येक आयाम पर विस्तृत जानकारी दी । ऐडवोकेट रिमझिम माथुर, डॉ. अमर पटनायक ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में 280 विद्यार्थियों ने भाग लिया। संयोजन राजेश भट्ट द्वारा किया गया

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के आयामों की दी जानकारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

गंगरार. मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एमएनआईटी जयपुर के दिलीप शर्मा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रत्येक आयाम की जानकारी दी।

गंगरार. मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में मौजूद लोग।

कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि बारे में उदाहरण देकर समझाया। उन्होंने अपने द्वारा किये गए कुल 13 पेटेंट पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि अपने विचारों को भी पेटेंट किया जा सकता है। आईपीआर एडवोकेट, उच्च न्यायालय जयपुर रिपुदिम माथुर ने बौद्धिक सम्पदा के प्रकारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज्योग्राफिकल इंडिकेशन को भारत के संदर्भ में समझाते हुए बताया कि किस प्रकार कंपनी के उत्पाद उनकी भौगोलिक परिस्थितियों से संबंधित होते है एवं उस क्षेत्र के नाम से पहचाने जाते है। एमइनआईटी जयपुर के प्राध्यापक डॉ. अमर पटनायक ने बताया कि सफल उद्यमी होने के लिए अपने उत्पाद, विचार, कंपनी के विजन, मिशन का पेटेंट करवाना जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी सोच द्वारा आगे बढ़ना चाहिए एवं नकल से दूर रहना चाहिए। कार्यशाला में विभिन्न संकायों के 280 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संयोजन विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष राजेश भट्ट ने किया।

अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

गंगरार. मेवाड़ विश्वविद्यालय के अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सुरक्षित भारत मिशन एवं राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर एक दिवसीय अग्निसुरक्षा जागरूक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें रेलवे कर्मचारियों एवं यात्रियों को अग्नि से संबंधित दुर्घटनाओं व इससे बचाव पर प्रशिक्षण दिया गया। चीफ फायर ट्रेनर ने यात्रियों व कर्मचारियों को अग्निसुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के उपाय बताए। जिसमे अग्नि दुर्घटना से सुरक्षा, ज्वलनशील द्रव्यों की अग्नि से सुरक्षा एवं बिजली की अग्नि से सुरक्षा की जानकारी दी गई। अग्निशामक यंत्र के उपयोग एवं प्रोयोगिक डेमो भी करवाया गया।

बौद्धिक संपदा अधिकार की जानकारी दी

गंगरार | मेवाड़ विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन दिलीप शर्मा एमएनआईटी जयपुर द्वारा किया गया। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार के प्रत्येक आयाम पर जानकारी दी। आईपीआर एडवोकेट उच्च न्यायालय जयपुर की रिमझिम माथुर ने बौद्धिक संपदा के प्रकार पर प्रकाश डाला। उन्होंने ज्योग्राफिकल इंडिकेशन को भारत के संदर्भ में समझाते हुए बताया कि किस प्रकार कंपनी के उत्पाद उनकी भौगोलिक परिस्थितियों से संबंधित होते हैं एवं उस क्षेत्र के नाम से पहचाना जाता है। एमइनआईटी जयपुर के प्राध्यापक डॉ. अमर पटनायक ने बताया कि सफल उद्यमी होने के लिए अपने उत्पाद, विचार, कंपनी का विजन और मिशन पेटेंट करवाना आवश्यक है। कार्यशाला में 280 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

रेल्वे स्टेशन पर अग्नि सुरक्षा जागरूक कार्यक्रम

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय के अग्निसुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सुरक्षित भारत मिशन एवं राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत रेलवे स्टेशन पर एक दिवसीय अग्निसुरक्षा जागरूक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें रेलवे कर्मचारियों एवं यात्रीगणो को अग्नि से संबंधित दुर्घटनाओं एवं इससे बचाव पर प्रशिक्षण दिया गया। चीफ फायर ट्रेनर ने यात्रियों एवं कर्मचारियों को अग्निसुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के उपाय बताए जिसमे अग्नि दुर्घटना से सुरक्षा, ज्वलनशील द्रव्यों की अग्नि से सुरक्षा एवं बिजली की अग्नि से सुरक्षा की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के तीन मुख्य तरीके है आग का दम घोटना, आग को ऊर्जाहीन करना एवं ठंडा करना। विभाग द्वारा अग्निशामक यंत्र के उपयोग एवं प्रौयोगिक डेमो भी करवाया गया।

अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया

गंगरार | मेवाड़ विश्वविद्यालय के अग्निसुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा सुरक्षित भारत मिशन एवं राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर अग्निसुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चीफ फायर ट्रैनर ने रेलवे कर्मचारियों एवं यात्रियों को को अग्नि से संबंधित दुर्घटनाओं एवं इससे बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने आग बुझाने के तीन मुख्य तरीके हैं- आग का दम घोटना, आग को ऊर्जाहीन करना व ठंडा करना। विभाग द्वारा अग्निशामक यंत्र के उपयोग एवं डेमो भी करवाया गया।